MPSE 011 IMPORTANT QUESTIONS FOR EXAM

Answers in Hindi&English both

PART-5

India and the European Union (EU)

India and the European Union (EU) share a multifaceted and strategic partnership that encompasses political, economic, and cultural dimensions. Over the years, this relationship has grown stronger through various agreements and dialogues.

Historical Background

The formal relationship between India and the EU began in the early 1960s and was significantly strengthened by the EU-India Strategic Partnership established in 2004.

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत और ईयू के बीच औपचारिक संबंध 1960 के दशक की शुरुआत में शुरू हुआ और 2004 में स्थापित ईयू-भारत रणनीतिक साझेदारी द्वारा महत्वपूर्ण रूप से मजबूत हुआ।

Economic Relations

The EU is one of India's largest trading partners, and negotiations for a Free Trade Agreement (FTA) aim to enhance trade and investment. Key areas of economic cooperation include trade, investment, and technology.

आर्थिक संबंध

ईयू भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक है, और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत का उद्देश्य व्यापार और निवेश को बढ़ाना

Scholarly Minds

है। आर्थिक सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

Political and Security Relations

India and the EU collaborate on counter-terrorism, climate change, and global governance, working together in international forums to address global challenges.

राजनीतिक और सुरक्षा संबंध

भारत और ईयू आतंकवाद विरोधी, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक शासन पर सहयोग करते हैं, वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंचों में एक साथ काम करते हैं।

Cultural and People-to-People Relations

Cultural exchange and education initiatives enhance mutual understanding. Student exchange programs and tourism promote stronger ties between the citizens of India and the EU.

सांस्कृतिक और जन-से-जन संबंध

सांस्कृतिक आदान-प्रदान और शिक्षा पहलों से आपसी समझ बढ़ती है। छात्र विनिमय कार्यक्रम और पर्यटन भारत और ईयू के नागरिकों के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ावा देते हैं।

In summary, the India-EU relationship is marked by deep economic ties, strong political and security cooperation, and vibrant cultural exchanges, making it a robust and dynamic partnership.

संक्षेप में, भारत-ईयू संबंध गहरे आर्थिक संबंधों, मजबूत राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग, और जीवंत सांस्कृतिक आदान-प्रदान द्वारा चिह्नित है, जो इसे एक मजबूत और गतिशील साझेदारी बनाता है।

Scholarly Minds

Main Features of the Maastricht Treaty

The Maastricht Treaty, signed on February 7, 1992, established the European Union (EU) and laid the foundation for the euro currency. It marked a significant step in European integration by promoting economic and political union among its member states.

मास्ट्रिच संधि के मुख्य बिंदु

मास्ट्रिच संधि, 7 फरवरी 1992 को हस्ताक्षरित, ने यूरोपीय संघ (ईयू) की स्थापना की और यूरो मुद्रा की नींव रखी। इसने अपने सदस्य देशों के बीच आर्थिक और राजनीतिक एकता को बढ़ावा देकर यूरोपीय एकीकरण में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

The treaty introduced the concept of European citizenship, allowing citizens to live, work, and vote in any EU country. It aimed to strengthen the democratic legitimacy of the institutions and enhance cooperation in foreign policy, security, and justice.

संधि ने यूरोपीय नागरिकता की अवधारणा पेश की, जिससे नागरिकों को किसी भी ईयू देश में रहने, काम करने और मतदान करने की अनुमति मिली। इसका उद्देश्य संस्थानों की लोकतांत्रिक वैधता को मजबूत करना और विदेश नीति, सुरक्षा, और न्याय में सहयोग को बढ़ाना था।

The Maastricht Treaty established the three-pillar structure of the EU: the European Communities, Common Foreign and Security Policy (CFSP), and Justice and Home Affairs (JHA). This framework aimed to streamline decision-making and policy implementation across various domains.

मास्ट्रिच संधि ने ईयू की तीन-स्तंभ संरचना स्थापित की: यूरोपीय समुदाय, सामान्य विदेश और सुरक्षा नीति (सीएफएसपी), और न्याय और गृह मामलों (जेएचए)। इस ढांचे का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में निर्णय-निर्माण और नीति कार्यान्वयन को सुव्यवस्थित करना था।

Scholarly Minds

Scholarly Minds